



HCZ-001-001396

Seat No. \_\_\_\_\_

**B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination**

November / December - 2017

**Sanskrit : Paper - VI**

(Elective - 1) (Old Course) (साहित्यशास्त्र)

**Faculty Code : 001**

**Subject Code : 001396**

Time :  $2\frac{1}{2}$  Hours]

[Total Marks : 70

- સૂચના : (૧) આ પ્રશ્નપત્રમાં કુલ પાંચ પ્રશ્નો છે.  
Instructions : (1) There is five questions in this question paper  
(૨) દરેક પ્રશ્નના ગુણ તેની સામે દર્શાવેલ છે.  
(2) The marks are given near each questions.

- |      |  |    |
|------|--|----|
| ૧    | साहित्यशास्त्रना प्रमुख सिद्धांतोनी थर्या करो.               | १४ |
| 1    | Discuss the main principles of साहित्यशास्त्र: ।             | 14 |
| अथवा |  |    |
| १    | आचार्य भम्भटे आपेला काव्य हेतुओनी भीमांसा करो.               | १४ |
| 1    | Analyze the poetic objectives of Acharya Mammata.            | 14 |
| २    | काव्यप्रकाशना द्विकर्तृत्वनी समस्या थर्यो.                   | १४ |
| 2    | Discuss the problem of the dual Authorship of काव्यप्रकाश: । | 14 |
| अथवा |  |    |
| २    | भम्भटे वर्णविलां काव्यप्रयोजनो सविस्तार समजवो.               | १४ |
| 2    | Explain fully the काव्यप्रयोजनानि as narrated by Mammata.    | 14 |

- ३ नीयेनाभांथी कोष्ठपञ्चमे सविस्तार समञ्जसो : १४
- 3 Explain fully any **two** following : 14
- (१) नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति ।
- (२) श्रीहर्षदिर्बाणादीनामिव धनम् ।
- (३) शक्तिः कवित्वबीजरूपः संस्कारविशेषः ।
- (४) इत्यादौ व्यापनादि लेपनादिरूपतया संभवितम् ।
- ४ (अ) नीयेनाभांथी कोष्ठपञ्चमे अलंकारो लक्षणा अने उदाहरण साथे समञ्जसो : ०८
- 4 (A) Explain any **two** Alankara with definition and examples : 08
- (१) उपमा
- (२) रूपकम्
- (३) प्रतिवस्तूपमा
- (४) दीपकम्
- (ब) नीयेनाभांथी कोष्ठपञ्चमे अलंकारो कारणो आपी समञ्जसो : ०६
- (B) Explain the figures of speech in any **two** of the following giving reasons: 06
- (१) लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः ।  
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता ॥
- (२) असावुदयमारुढः कान्तिमान् रक्तमण्डलः ।  
राजा हरति लोकस्य हृदयं मृदुभिः करैः ॥
- (३) नायं सुधांशुः किं तर्हि व्योमगङ्गासरोरुहम् ।
- (४) त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो मनोभवज्वलितम् ।  
आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्याः ॥

५ नीचेनाभांथी कोरुपणु ँ पर टूंकनूध लणुः १ॡ

5 Write short notes on any two of the following : 14

- (1) मम्मटसु वलदुतुतु ।
  - (2) कविसृषुवलकुषणतु ।
  - (3) अधमकुकवुतुतु ।
  - (4) हेतुः न तु हेतवः ।
-